भाग्यं भवति कर्मणा

आपका मासिक राशिफल माह फरवरी, 2013

मेषः– चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

रक्त चाप से शारीरिक कष्ट की अनुभूति होगी। आर्थिक आय सम्बन्धी कार्य योजनाओं को दिशा देने के प्रयास सार्थक सिद्ध होंगे। किसी वैवाहिक, सांस्कृतिक आयोजन मे आपकी भागीदारी सामाजिक सुख्याति का वातावरण बनायेगी। निर्णय लेने मे असमंजस की स्थिति के शिकार हो सकते हैं। जीवन संगिनी की सामान्य सोच आपको विचलित करेगी। शत्रुओं के साथ भी मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध स्थापित करने की जिज्ञासा मन से बाहर आयेगी। तारीख 1, 2, 3, 8, 9, 10 शुभ है। **अरिष्ट निवारण हेतु हनुमान जी की उपासना करना श्रेयस्कर होगा।**

प्रातः कालीन ग्रह स्थिति – 01 फरवरी

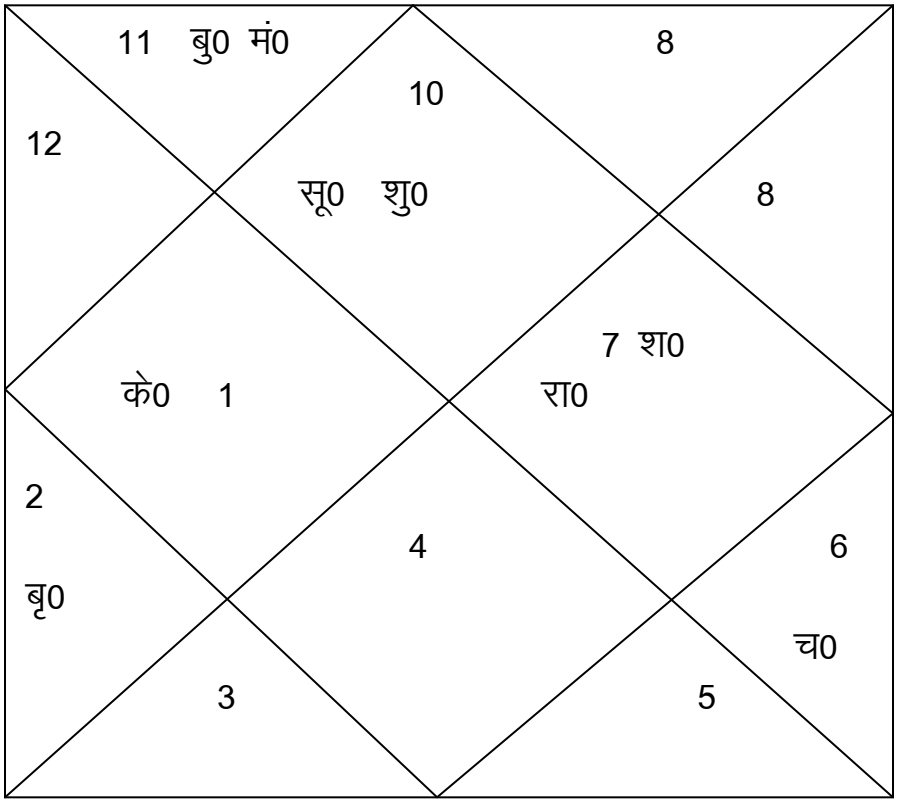

वृषः– ई, ऊ, ऐ, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

जीविकोपार्जन सम्बन्धी समस्याओं का सुगमतापूर्वक हल निकाल सकते है। दूसरों की शिकायत करने की प्रवृति पर अंकुश लगाये रखना आपके लिये हितकर होगा। संतान पक्ष का स्वास्थ्य आप की मानसिक परेशानी बड़ायेगा। राज्याधिकारियों के साथ आपका बड़ता जनसपर्क सामाजिक ख्याति वृद्धि का कारण होगा। माह का पहला सप्ताह ग्रहस्थ जीवन तथा व्यवसाय के क्षेत्र मे सुखद अनुभव का अहसास करायेगा। अतिरिक्त खरीददारी के चलते आपकी वित्तीय स्थिति भी गड़बड़ा सकती है। यात्रा प्रसंगो की सार्थकता पर प्रश्नवाचक चिन्ह लगा रहेगा। तारीख 10, 11, 12, 13, 14, 15 उत्तम सूचक है। **अरिष्ट निवारण हेतु सफेद गाय को खीर खिलाना हितकर सिद्ध होगा।**

मिथुनः– का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा

दौड़धूप और व्यस्तता के प्रकरण थमते नही प्रतीत होंगे। कोर्ट कचेहरी सम्बन्धी कार्यों मे आंशिक लाभ की स्थिति प्रतीत होगी। भगवान भक्ति मे आस्था अनास्था मे परिवर्तित हो सकती है। प्राविधिक शिक्षा, टेक्नीकल कार्यों मे आशानुरुप सफलता प्राप्त होगी। पेट सम्बन्धी रोग, गैस आदि के शिकार बने रहेंगे। लाभ की अपेक्षाकृत व्यय भार की अधिकता मनः स्थिति को प्रभावित करेगी। अभी किसी भी प्रकार का अतिरिक्त पूंजी निवेश अहितकर सिद्ध हो सकता है। राजनैतिक, कूटनैतिक प्रयासों से सामाजिक लोगों मे आपकी पकड़ बनी रहेगी। संतान पक्ष की ओर से अनायास सुखद समाचार प्राप्त होगा। तारीख 4, 5, 6, 7, 8 शुभकारक प्रतीत होगी। **अरिष्ट निवारण हेतु हरी सब्जियों का दान सुयोग्य पात्र को करना उत्तम होगा।**

कर्कः– ही, हू, हे, डा, डी, डू, डे, डो, हो

ग्रहस्थ जीवन मे मीठी नोंक–झोंक का सामना करना पड़ सकता है। स्त्रीपक्ष से आपेक्षित सहयोग प्राप्त करने मे सफल होंगे। अग्रज वर्ग की सहयोगी भावना के चलते कई बिगड़ते कार्यों को दिशा प्राप्त होगी। अनायास किसी चिर परिचित मित्र से मुलाकात का हर्ष रहेगा। सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री की खरीद फरोख्त पर व्यय भार मे वृद्धि होगी। यात्रा प्रसंगो से मिश्रित परिणाम की उम्मीद रखना हितकर होगा। सर्दी, गर्मी से मिश्रित बीमारियों का सामना करना पड़ेगा। विधिक और न्यायिक सेवा से जुड़े मसलों का सरलता के साथ हल निकल सकता है। माह का दूसरा सप्ताह बेहतर परिणाम दायक प्रतीत होगा। तारीख 1, 6, 7, 8, 9, 10 उत्तम सूचक प्रतीत होगी। **अरिष्ट निवारण के लिये सोमवार का विधिपूर्वक व्रत शुभप्रद प्रतीत होगा।**

सिंहः– मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

वाणी मे वाचालता की समाविष्टि आपको तथा परिजनो को प्रभावित करेगी। विरोधियों पर दबाव बनाने की रणनीति बेहतर परिणाम की सूचक सिद्ध होगी। जीवन साथी के साथ भी नोंक–झोंक के मामलो मे वृद्धि होगी। अहंकार भरा स्वभाव आपको कठिनाइयों मे डाल सकता है। अनायास किसी धार्मिक यात्रा मे अवरोध आयेंगे। खान–पान की अव्यवस्था के चलते पेट सम्बन्धी रोगों के शिकार बन सकते हैं। भूमि क्रय, विक्रय सम्बन्धी कार्यों मे उन्नतिशील स्थितियां आयेंगी। धर्म और अधर्म के मध्य अधर्म का मार्ग ही रुचिकर प्रतीत होगा। आजीविका से जुड़ी गतिविधियां आपकी सजगता से ही बेहतर हो सकती है। तारीख 1, 2, 3, 8, 9, 10 शुभकर प्रतीत होंगी। **अरिष्ट निवारण के लिये सूर्यान्जलि देना हितकर होगा।**

कन्याः– टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

माह के प्रथम सप्ताह मे स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप द्वारा तरल पदार्थों का अधिक से अधिक सेवन बढ़ सकता है। क्रोध पर अनियन्त्रण पारिवारिक तनाव के मार्ग को प्रसस्त करेगा। धार्मिक, अध्यात्मिक कार्यों मे आपकी भागीदारी सामाजिक सुख्याति का वातावरण बनायेगी। मानसिक रुप से आडम्बर विहीन धार्मिक आस्था के पक्षधर रहेंगे। संतान पक्ष सर्दी, गर्मी से मिश्रित बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। यात्राओं का सिलसिला भी लगातार बढ़ता प्रतीत होगा। माह का दूसरा तथा तीसरा सप्ताह कई बिगड़ते कार्यों के लिये राहत कारक सिद्ध होगा। पारिवारिक विषयों पर समझदारी से काम करना ही उचित होगा। तारीख 4, 5, 6, 10, 11, 12 उत्तमकारक प्रतीत होगी। **अरिकष्ट निवारण के लिये सुयोग्य पात्र को हरे वस्त्र का दान करना उचित रहेगा।**

तुलाः– रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते

पेट सम्बन्धी रोगों से शारीरिक एवं मानसिक कष्ट का सामना करना पड़ सकता हे। माह के प्रथम सप्ताह मे अनचाही चात्रा प्रसंग अधिकाधिक एकत्रित होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा मे किये गये प्रयास आंशिक लाभदायक प्रतीत होंगे। माह के दूसरे सप्ताह मे उच्च शिक्षा की दिशा मे प्रयास सफल रहेंगे। रचनात्मक, सृजनात्मक मामलों मे आपकी संलग्नता बड़ सकती है। खान–पान मे तीखे, कसैले, चटपटे खाद्य पदार्थों का प्रयोग बड़ेगा। संयमित भाषा–शैली का प्रयोग पारिवारिक जीवन मे हितकर सिद्ध होगा। खर्च की अधिकता आपको ऋण ग्रस्त होने की स्थिति तक पहुंचा सकती है। तारीख 2, 3, 4, 6, 7, 8 उत्तम सूचक प्रतीत होगी। **अरिष्ट निवारण के लिये सुयोग्य पात्र को मिश्री तथा श्वेत वस्त्र का दान करना हितकर होगा।**

वृश्चिकः– तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

धन लाभ के छोटे–छोटे कार्य सफलता के पथ पर अग्रसर होंगे। गृहिणी की सहयोगी भावना के चलते ग्रहस्थ जीवन के अनुभव प्रतीत होंगे। क्रय–विक्रय सम्बन्धी क्रिया–कलापों मे आपेक्षित सफलता प्राप्त होगी। जोखिमपूर्ण निर्णय लेने की जिज्ञासा मन से बाहर आ सकती है। राजनैतिक जन सम्पकों का लाभ उठाने मे आप सफल सिद्ध होंगे। खर्च भी अधिकतम सीमा रेखा पार करेगा। युवा मित्र मन्डली और स्त्री पक्ष का भी आशानुकूल सहयोग मिलेगा। कुसंगति से सावधान रहें। उच्च डिग्री सम्बन्धी कार्यों मे विघ्न बाधायें उपस्थित होंगी। तारीख 1, 8, 9, 10, 15, 16, 17 शुभकारक प्रतीत होंगी। **अरिष्ट निवारण हेतु सुयोग्य पात्र को लाल फलों का दान करना श्रेयस्कर होगा।**

धनुः– ये, यो, भा, भी, भू, ध, फ, ढ़, भे

कठोरतम भाषा शैली के प्रयोग के कारण पारिवारिक सदस्यों के साथ तालमेल बिगड़ सकता है। आपकी कार्यशैली मे साहसिक निर्णय लेने की क्षमता मे वृद्धि होगी। जीविकोपार्जन सम्बन्धी समस्याओं का आसानी से समाधान तलाश लेंगे। राज्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बेतर तालमेल स्थापित होंगे। अनचाही यात्रायें और अनचाहे व्यय भार मानसिक परेशानी का वातावरण बनायेंगे। माह का प्रथम और द्वितीय सप्ताह उपहार, लाभ की ओर अग्रसर करता है। ननिहाल पक्ष मानसिक तनाव का कारण बन सकता है। गैस, कब्ज आदि रोगों से शारीरिक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। तारीख 2, 3, 4, 6, 7, 8, 11, 12 उत्तम सूचक सिद्ध होंगी। **अरिष्ट निवारण के लिये लघु मृत्युन्जय मन्त्र का जप हितकर सिद्ध होगा।**

मकरः– भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

बातचीत मे कठोरतम भाषा शैली का प्रयोग परिजनो और आपके मध्य दूरी बढ़ा सकती है। ईश्वर के प्रति आपकी आस्था अनास्था मे परिवर्तित होगी। आचरण मे अहंकार की पुष्टि भी प्रतीत होगी। टेक्नीकल कार्यक्षेत्र मे मजबूती के साथ डटे रहकर लाभ मार्ग की ओर अग्रसर रहेंगे। अध्यात्मिक और तार्किक व्यक्तियों से बातचीत के दौरान सतर्कता बरतना हितकर होगा। किसी विवाह, संस्कार आदि प्रयोजनो मे आपकी भागीदारी सुनिश्चित होगी। सच और झूठ की कसौटी पर कड़वा सच ही आपको पसन्द आयेगा। माह के प्रथम सप्ताह मे धन लाभ के सुअवसर भी आयेंगे। तारीख 4, 5, 6, 8, 9, 10, 13, 14 शुभप्रद सिद्ध होगी। **अरिष्ट निवारण के लिये शनि मन्त्र का जप उत्तम प्रतीत होगा।**

कुम्भः– गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

विलासितापूर्ण सामग्री की खरीद फरोख्त पर व्यय भार की अधिकता रहेगी। सिर दर्द, चोट–चपेट आदि सावधानी बरतना हितकर होगा। विवादित क्रिया–कलापों से जितनी दूरी बना सकें बेहतर रहेगा। माह का दूसरा सप्ताह राजकीय कार्यों के लिये तथा आर्थिक दृष्टिकोण से उत्तम सिद्ध हो सकता है। धार्मिक मामलो से आप लगातार दूरी बढ़ाते नजर आयेंगे। संतान पक्ष के प्रति उत्तरदायित्वों के संदर्भ मे जागरुक रहना हितकर होगा। धन लाभ की योजनाओं मे अभी पूंजी निवेश करना उचित नही है। तारीख 4, 5, 6, 7, 8, 10, 11, 12 प्रगतिकारक सिद्ध होंगी। अरिष्ट निवारण के लिये शानिवार को कडुवा तेल दान करना उचित होगा।

मीनः– दी, दू, थ, झ, अ, दे, दो, चा, ची

किसी नवीन व्यापार मे धीरे–धीरे ही पूंजी निवेश करना हितकर होगा। घर ग्रहस्थी के प्रयोजन हेतु सार्थक यात्रा प्रकरण एकत्रित होंगे। आर्थिक लाभ और व्यय मे कठिनाइयों के साथ सन्तुलन बना रहेगा। परिवारिक सदस्य आपके लिये किसी न किसी तरह की मानसिक परेशानी खड़ी रक्खेंगे। बातचीत के दौरान आवेश मे आकर अपशब्दों का प्रयोग न करना हितकर होगा। यात्रा के दौरान सतर्कता आपके लिये अनिवार्य है। रचनात्मक कार्यों की ओर मानसिकता परिवर्तित हो सकती है। राजनैतिक जन सम्पर्क बेहद कारगर सिद्ध होंगे। तारीख 6, 7, 8, 9, 10, 13, 14 प्रगति सूचक है।

अरिष्ट निवारण के लिये पीले फूलों का दान करना उत्तम रहेगा।

माह के व्रत पर्व और त्यौहारः–

1. रामानन्दाचार्य जयन्ती सप्तमी, 2 फरवरी, शनिवार।
2. अन्वष्टका श्राद्ध, रटन्ती कालिका पूजा (बंगाल), त्रिवेणी अमावस्या (उड़ीसा), 04 फरवरी, सोमवार।
3. षटतिला एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्, 06 फरवरी बुधवार।
4. प्रदोष त्रयोदषी व्रतम, 07 फरवरी, बृहस्पतिवार।
5. मास शिवरात्रि चतुर्दशी व्रतम्, 08 फरवरी, शुक्रवार।
6. स्नान–दान और श्राद्ध की अमावस्या, मौनी अमावस्या, 10 फरवरी, रविवार।
7. कुम्भ राशि मे सूर्य का प्रवेश, भूमि जल दर्शन द्वितीया, 12 फरवरी, मंगलवार।
8. श्री वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतम्, रात्रि मे 05 बजकर 53 मिनट पर पंचक समाप्त, 14 फरवरी, बृहस्पतिवार।
9. बसंत पंचमी, रति–काम पूजा पंचमी, सरसवती पूजा पंचमी, मत्स्याधार लेखनी पूजा पंचमी (बंगाल), 15 फरवरी, शुक्रवार।
10. शीतला षष्ठी (बंगाल), 16 फरवरी, शरिवार।

11. भानु सप्तमी, रथ सप्तमी, अचला सप्तमी, मन्वादि सप्तमी, सूर्य पूजा सप्तमी, आरोग्य सप्तमी, 17 फरवरी, रविवार।
12. जया एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्, भैमी एकादशी (बंगाल), 21 फरवरी, बृहस्पतिवार।
13. भीष्ट द्वादशी, बाराह द्वादशी, तिल द्वादशी, आमलकी द्वादशी सोमपदा द्वादशी, 22 फरवरी, शुक्रवार।
14. शनि प्रदोष त्रयोदशी मु0 ग्यारहवीं, शरीफ, 23 फरवरी, शनिवार।
15. अरुन्धती चतुर्दशी व्रतम्, दिन मे 12 बजकर 41 मिनट पर पूर्व दिशा मे शुक्रास्त, 24 फरवरी, रविवार।
16. स्नान दान और व्रत की पूर्णिमा, माघी पूर्णिमा, 25 फरवरी, सोमवार।

पंडित आनंद अवस्थी

पं0 आनन्द अवस्थी : पटेल नगर कालोनी बछरावां, रायबरेली डी–79, साउथ सिटी, लखनऊ, लखनऊ एम0बी0 नं0– 9450460208

Website- www.aarshjyotish.in, ----E-mail : panditanandawasthi@aarshjyotish.in